निजी, सार्वजनिक एवं भूमंडलीय उपक्रम

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» परिचय: निजी, सार्वजनिक और भूमंडलीय उपक्रम

प्रश्न 1 (आसान). जो व्यवसाय सरकार द्वारा चलाए जाते हैं, उन्हें क्या कहते हैं?
उत्तर – सार्वजनिक उपक्रम

प्रश्न 2 (आसान). भारत की अर्थव्यवस्था किस प्रकार की है, जहाँ निजी और सरकारी दोनों तरह के व्यापार होते हैं?
उत्तर – मिश्रित अर्थव्यवस्था

प्रश्न 3 (मध्यम). निजी उपक्रम और सार्वजनिक उपक्रम के बीच एक मुख्य अंतर बताओ।
उत्तर – निजी उपक्रम का स्वामित्व व्यक्तियों या निजी समूहों के पास होता है, जबकि सार्वजनिक उपक्रम का स्वामित्व सरकार के पास होता है।

प्रश्न 4 (कठिन). भूमंडलीय उपक्रम की कोई दो विशेषताएँ बताओ जो उसे निजी और सार्वजनिक उपक्रमों से अलग करती हैं।
उत्तर – विशाल पूँजीगत संसाधन और अनेक देशों में फैला हुआ व्यवसाय तंत्र।

» सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के संगठनात्मक स्वरूप

प्रश्न 5 (आसान). भारतीय रेलवे किस संगठनात्मक स्वरूप का उदाहरण है?
उत्तर – विभागीय उपक्रम

प्रश्न 6 (आसान). वह कौन-सा स्वरूप है जहाँ कर्मचारी सीधे सरकारी कर्मचारी होते हैं?
उत्तर – विभागीय उपक्रम

प्रश्न 7 (मध्यम). भारतीय कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत कौन-से सार्वजनिक उद्यम स्थापित होते हैं?
उत्तर – सरकारी कंपनी

प्रश्न 8 (कठिन). क्या एक वैधानिक निगम पर सीधे सरकार के लेखांकन (accounting) और अंकेक्षण (auditing) नियम लागू होते हैं? क्यों?
उत्तर – नहीं, वैधानिक निगम पर सरकार के लेखांकन और अंकेक्षण नियम सीधे लागू नहीं होते क्योंकि इसकी स्थापना संसद के विशेष अधिनियम से होती है और यह अपनी वित्तीय ज़रूरतें खुद पूरी करता है, बजट से इसका सीधा संबंध नहीं होता।

» विभागीय उपक्रम: विशेषताएँ, लाभ और सीमाएँ

प्रश्न 9 (आसान). विभागीय उपक्रम का सबसे अच्छा उदाहरण क्या है?
उत्तर – भारतीय रेलवे या डाक विभाग।

प्रश्न 10 (आसान). विभागीय उपक्रम के कर्मचारी किस तरह के कर्मचारी होते हैं?
उत्तर – सरकारी कर्मचारी।

प्रश्न 11 (मध्यम). विभागीय उपक्रम में 'लाल-फीताशाही' (Red-tapism) की समस्या क्यों आती है?
उत्तर – क्योंकि हर छोटे-बड़े काम के लिए मंत्रालय से अनुमति लेनी पड़ती है, जिससे निर्णय लेने में देरी होती है और काम अटकते हैं।

प्रश्न 12 (कठिन). राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए विभागीय उपक्रम क्यों सबसे उपयुक्त संगठन स्वरूप माना जाता है?
उत्तर – क्योंकि यह सीधे सरकार के मंत्रालय के अधीन होता है, जिससे गोपनीयता, नियंत्रण और जवाबदेही बनी रहती है और संवेदनशील जानकारी बाहर नहीं जा पाती।

» वैधानिक निगम: विशेषताएँ, लाभ और सीमाएँ

प्रश्न 13 (आसान). वैधानिक निगम की स्थापना कौन करता है?
उत्तर – संसद एक विशेष अधिनियम (कानून) पारित करके।

प्रश्न 14 (आसान). क्या वैधानिक निगम के कर्मचारी सरकारी सेवक होते हैं?
उत्तर – नहीं।

प्रश्न 15 (मध्यम). वैधानिक निगम को वित्तीय मामलों में क्या विशेषता मिलती है?
उत्तर – यह अपनी वित्तीय जरूरतों को खुद पूरा करता है और सरकारी बजट से जुड़ा नहीं होता।

प्रश्न 16 (कठिन). वैधानिक निगम के दो लाभ और दो सीमाएँ बताइए।
उत्तर – लाभ: कार्य संचालन में लचीलापन, सरकारी हस्तक्षेप कम। सीमाएँ: नियमों का कठोर पालन, राजनीतिक हस्तक्षेप की संभावना।

» सरकारी कंपनी: परिभाषा, विशेषताएँ, लाभ और सीमाएँ

प्रश्न 17 (आसान). एक सरकारी कंपनी की स्थापना किस अधिनियम के अंतर्गत की जाती है?
उत्तर – भारतीय कंपनी अधिनियम-2013 के अंतर्गत।

प्रश्न 18 (आसान). सरकारी कंपनी बनने के लिए सरकार की न्यूनतम चुकता अंशपूँजी कितनी प्रतिशत होनी चाहिए?
उत्तर – कम से कम 51 प्रतिशत।

प्रश्न 19 (मध्यम). अगर केंद्र सरकार एक कंपनी में 40% और तीन राज्य सरकारें मिलकर 15% शेयर रखती हैं, तो क्या यह एक सरकारी कंपनी है? क्यों?
उत्तर – हाँ, यह एक सरकारी कंपनी है, क्योंकि कुल सरकारी निवेश (40% + 15% = 55%) 51% से ज़्यादा है।

प्रश्न 20 (कठिन). सरकारी कंपनियों को वैधानिक निगमों की तुलना में प्रबंधन संबंधी निर्णयों में अधिक स्वतंत्रता क्यों मिलती है?
उत्तर – सरकारी कंपनियों को सामान्य कंपनी अधिनियम के तहत स्थापित किया जाता है, जिससे उन्हें व्यावसायिक निर्णयों में एक सामान्य प्राइवेट कंपनी की तरह स्वतंत्रता मिलती है, जबकि वैधानिक निगम एक विशिष्ट अधिनियम के प्रावधानों से अधिक बंधे होते हैं।

» सार्वजनिक क्षेत्र की बदलती भूमिका (स्वतंत्रता से 1991 तक)

प्रश्न 21 (आसान). स्वतंत्रता के समय निजी क्षेत्र किन परियोजनाओं में निवेश करने से हिचक रहा था?
उत्तर – निजी क्षेत्र को भारी निवेश और लंबे समय तक लाभ न मिलने वाली परियोजनाओं, जैसे मूलभूत ढाँचे के विकास, में निवेश करने में हिचक थी।

प्रश्न 22 (आसान). आजादी के बाद सरकार ने कौन सी पंचवर्षीय योजनाएँ लागू कीं?
उत्तर – भारत सरकार ने आजादी के बाद पंचवर्षीय योजनाएँ (Five Year Plans) लागू कीं।

प्रश्न 23 (मध्यम). सार्वजनिक क्षेत्र ने देश में क्षेत्रीय असमानताओं को कैसे कम करने का प्रयास किया?
उत्तर – सार्वजनिक क्षेत्र ने पिछड़े क्षेत्रों में जानबूझकर उद्योग स्थापित करके, जैसे स्टील प्लांट लगाकर, क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने का प्रयास किया, जिससे वहाँ रोज़गार और विकास हुआ।

प्रश्न 24 (कठिन). सार्वजनिक क्षेत्र की भूमिका ने 'आर्थिक शक्ति के केंद्रीकरण' को रोकने में कैसे मदद की?

उत्तर – सार्वजनिक क्षेत्र ने बड़े उद्योगों की स्थापना की जहाँ भारी निवेश की आवश्यकता थी। इन उद्योगों से होने वाला लाभ केवल कुछ निजी हाथों में केंद्रित होने के बजाय, बड़ी संख्या में कर्मचारियों और श्रमिकों के बीच बांटा गया, जिससे धन का केंद्रीकरण रुका।

» 1991 के बाद सार्वजनिक क्षेत्र संबंधी नीति और सुधार

प्रश्न 25 (आसान). 1991 की औद्योगिक नीति के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के लिए कितने उद्योग आरक्षित रह गए थे?

उत्तर – पहले 8, और फिर 2001 में 3।

प्रश्न 26 (आसान). विनिवेश का मुख्य उद्देश्य क्या था?

उत्तर – संसाधन जुटाना और आम जनता व कर्मचारियों की भागीदारी बढ़ाना।

प्रश्न 27 (मध्यम). समझौता विवरणिका (MoU) प्रणाली क्यों शुरू की गई थी?

उत्तर – प्रदर्शन में सुधार लाने के लिए, जिसमें प्रबंधन को स्वायत्तता दी जाती है लेकिन साथ ही परिणामों के लिए उत्तरदायी भी बनाया जाता है।

प्रश्न 28 (कठिन). बीमार सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए और उनका उद्देश्य क्या था?

उत्तर – सरकार ने बीमार इकाइयों को औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड (BIFR) को सौंपा ताकि उनके पुनर्गठन या बंद करने का निर्णय लिया जा सके। साथ ही, राष्ट्रीय नवीनीकरण कोष (NRF) बनाया गया ताकि कर्मचारियों के हितों की रक्षा की जा सके, जैसे उन्हें दोबारा सेवा में लगाना या स्वेच्छा से अवकाश लेने वालों को क्षतिपूर्ति देना।

» भूमंडलीय उपक्रम (बहुराष्ट्रीय निगम): परिभाषा और विशेषताएँ

प्रश्न 29 (आसान). भूमंडलीय उपक्रम को और किस नाम से जाना जाता है?

उत्तर – बहुराष्ट्रीय निगम (MNCs)

प्रश्न 30 (आसान). क्या एक भूमंडलीय उपक्रम सिर्फ एक देश में काम करता है?

उत्तर – नहीं, यह अनेक देशों में काम करता है।

प्रश्न 31 (मध्यम). भूमंडलीय उपक्रम क्यों विदेशी कंपनियों के साथ सहयोग करते हैं?

उत्तर – तकनीकी का आदान-प्रदान करने, अपने ब्रांड का उपयोग करने और उत्पादन करने के लिए।

प्रश्न 32 (कठिन). भूमंडलीय उपक्रमों के पास विपणन (marketing) के लिए क्या खास होता है जिससे वे सफल होते हैं?

उत्तर – उनके पास बाज़ार संबंधी विश्वसनीय और नवीनतम जानकारी होती है, और उनकी विज्ञापन तथा बिक्री संवर्धन तकनीकें बहुत प्रभावी होती हैं।

» सार्वजनिक निजी भागीदारी (पी.पी.पी.)

प्रश्न 33 (आसान). PPP में 'P' का क्या मतलब है?

उत्तर – Public (सार्वजनिक) और Private (निजी)

प्रश्न 34 (आसान). क्या PPP में सिर्फ सरकार पैसा लगाती है?

उत्तर – नहीं, दोनों पक्ष पूँजी और संसाधन लगाते हैं।

प्रश्न 35 (मध्यम). PPP मॉडल का मुख्य उद्देश्य क्या है?

उत्तर – बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों की ताकत को मिलाकर तेजी और कुशलता से पूरा करना।

प्रश्न 36 (कठिन). भारत में PPP मॉडल के तहत कौन-कौन से क्षेत्र विकसित किए जा रहे हैं? कोई दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर – ऊर्जा उत्पादन और वितरण, जल एवं सफाई व्यवस्था, कचरा निस्तारण, अस्पताल, स्कूल भवन, सड़कें, हवाई यातायात नियंत्रण, रेलवे आदि। (कोई भी दो)

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. भारतीय अर्थव्यवस्था में 'मिश्रित अर्थव्यवस्था' से आप क्या समझते हैं? एक उदाहरण सहित समझाइए।

› पहला कदम: हमें समझना होगा कि 'मिश्रित अर्थव्यवस्था' का मतलब क्या है। यह वह व्यवस्था है जहाँ सरकार (सार्वजनिक क्षेत्र) और व्यक्तिगत लोग या समूह (निजी क्षेत्र) दोनों मिलकर व्यापार और आर्थिक गतिविधियों में हिस्सा लेते हैं।

› दूसरा कदम: यह बताना है कि भारत ने यह रास्ता क्यों चुना। स्वतंत्रता के बाद हमें तेजी से विकास करना था, और सरकार को लगा कि सिर्फ़ निजी या सिर्फ़ सार्वजनिक क्षेत्र से यह संभव नहीं होगा। दोनों के फायदे मिलाकर देश को आगे बढ़ाया जा सकता है।

› तीसरा कदम: एक उदाहरण देना है। जैसे कि, हमारे देश में आपको सरकारी बैंक (जैसे SBI) भी मिलेंगे, और निजी बैंक (जैसे HDFC) भी मिलेंगे। दोनों एक ही सेक्टर में काम कर रहे हैं, ग्राहकों को सेवाएं दे रहे हैं।

उत्तर – मिश्रित अर्थव्यवस्था वह प्रणाली है जहाँ निजी और सार्वजनिक क्षेत्र दोनों मिलकर काम करते हैं। भारत में यह प्रणाली अपनाई गई ताकि तीव्र आर्थिक विकास हो सके और संसाधनों का उपयोग बेहतर ढंग से किया जा सके। उदाहरण के लिए, परिवहन के क्षेत्र में भारतीय रेलवे एक सार्वजनिक उपक्रम है, जबकि निजी बस सेवाएं और एयरलाइंस निजी उपक्रम हैं, और दोनों ही देश की परिवहन ज़रूरतों को पूरा करते हैं।

उदाहरण 2. भारतीय डाक और तार विभाग किस प्रकार के सार्वजनिक उद्यम का संगठनात्मक स्वरूप है?

› पहचानो कि भारतीय डाक और तार विभाग सीधे सरकार के किस मंत्रालय के अंतर्गत आता है।

› देखो कि इसके कर्मचारी सरकारी कर्मचारी हैं या नहीं।

› समझो कि क्या इसका अपना कोई अलग से कानून या विशेष अधिनियम है, या यह मंत्रालय का ही हिस्सा है।

› यह एक ऐसा उपक्रम है जो सीधे सरकार के एक मंत्रालय के विभाग के रूप में काम करता है, जिसके कर्मचारी सरकारी होते हैं।

उत्तर – यह एक 'विभागीय उपक्रम' है।

उदाहरण 3. भारतीय रेलवे को एक विभागीय उपक्रम क्यों माना जाता है? इसकी एक मुख्य विशेषता और एक लाभ बताइए।

› पहला कदम: पहचानो कि भारतीय रेलवे किसके नियंत्रण में काम करती है। यह सीधे केंद्र सरकार के रेल मंत्रालय के अधीन है।

› दूसरा कदम: विभागीय उपक्रम की विशेषताओं में से एक सोचो। चूंकि यह मंत्रालय का हिस्सा है, इसके कर्मचारी सीधे सरकारी कर्मचारी होते हैं।

› तीसरा कदम: विभागीय उपक्रम के लाभों में से एक पहचानो। चूंकि यह सीधे सरकार के नियंत्रण में है, इस पर संसद का प्रभावी नियंत्रण रहता है और यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे उपयुक्त है।

उत्तर – भारतीय रेलवे को एक विभागीय उपक्रम इसलिए माना जाता है क्योंकि यह सीधे रेल मंत्रालय के अधीन काम करता है और उसका एक अभिन्न अंग है। इसकी एक मुख्य विशेषता यह है कि इसके कर्मचारी सीधे सरकारी कर्मचारी होते हैं। इसका एक लाभ यह है कि इस पर संसद का प्रभावी नियंत्रण रहता है, जिससे सार्वजनिक जवाबदेही उच्च स्तर की होती है।

उदाहरण 4. एक वैधानिक निगम और एक विभागीय उपक्रम के बीच दो प्रमुख अंतर बताइए।

› पहला अंतर: वैधानिक निगम की स्थापना संसद के एक विशेष अधिनियम (कानून) से होती है, जबकि विभागीय उपक्रम सीधे सरकार के किसी मंत्रालय के अधीन एक विभाग के रूप में काम करता है।

› दूसरा अंतर: वैधानिक निगम के कर्मचारी सरकारी सेवक नहीं होते और उनके सेवा नियम उनके अधिनियम में होते हैं। वहीं, विभागीय उपक्रम के कर्मचारी सीधे सरकारी कर्मचारी होते हैं।

› तीसरा अंतर: वैधानिक निगम वित्तीय रूप से काफी हद तक आत्मनिर्भर होते हैं और अपना बजट खुद बनाते हैं, जबकि विभागीय उपक्रम का वित्त सीधा सरकारी खजाने से आता है और वह सरकारी बजट का हिस्सा होता है।

उत्तर – वैधानिक निगम कानून से बनता है और उसके कर्मचारी सरकारी नहीं होते; विभागीय उपक्रम सीधे मंत्रालय के अधीन काम करता है और उसके कर्मचारी सरकारी होते हैं।

उदाहरण 5. मान लीजिए एक कंपनी की कुल चुकता अंशपूँजी ₹100 करोड़ है। अगर इसमें से केंद्र सरकार ₹30 करोड़ और एक राज्य सरकार ₹25 करोड़ का निवेश करती है, तो क्या यह एक सरकारी कंपनी होगी?

› सबसे पहले, हम सरकार द्वारा निवेश की गई कुल राशि निकालेंगे: केंद्र सरकार का निवेश ₹30 करोड़ + राज्य सरकार का निवेश ₹25 करोड़ = ₹55 करोड़।

› अब, हम देखेंगे कि यह कुल चुकता अंशपूँजी का कितना प्रतिशत है: (₹55 करोड़ / ₹100 करोड़) * 100 = 55%।

› चूँकि सरकारी निवेश 55% है, जो कि 51% से ज़्यादा है, तो यह कंपनी एक सरकारी कंपनी कहलाएगी।

उत्तर – हाँ, यह एक सरकारी कंपनी होगी।

उदाहरण 6. आजादी के बाद भारत में सार्वजनिक क्षेत्र की भूमिका के किन्हीं दो महत्वपूर्ण पहलुओं का वर्णन करें।

› पहला महत्वपूर्ण पहलू है 'मूलभूत ढाँचे का विकास'। स्वतंत्रता के समय भारत में उद्योग-धंधे चलाने के लिए सड़कें, रेलवे, बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं बहुत कम थीं। निजी क्षेत्र के पास इतना पैसा और इच्छाशक्ति नहीं थी कि वे इतने बड़े निवेश वाले काम करें।

› तो सरकार ने यह ज़िम्मेदारी उठाई। उन्होंने रेलवे का विस्तार किया, बड़े बिजली संयंत्र लगाए, और भारी उद्योग जैसे स्टील प्लांट की नींव रखी। इससे देश के औद्योगीकरण को गति मिली।

› दूसरा पहलू है 'क्षेत्रीय संतुलन'। आजादी से पहले, ज़्यादातर उद्योग बंदरगाहों के आसपास या कुछ बड़े शहरों में ही केंद्रित थे। इससे देश के बाकी हिस्से पिछड़े रह गए थे।

› सरकार ने पंचवर्षीय योजनाओं के तहत जानबूझकर पिछड़े इलाकों में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम स्थापित किए। जैसे, भिलाई और राउरकेला में स्टील प्लांट लगाए गए। इससे इन इलाकों में रोज़गार पैदा हुआ और वहां का भी विकास हुआ, जिससे पूरे देश में संतुलित विकास को बढ़ावा मिला।

उत्तर – सार्वजनिक क्षेत्र की दो महत्वपूर्ण भूमिकाएँ 'मूलभूत ढाँचे का विकास' और 'क्षेत्रीय संतुलन' स्थापित करना थीं।

उदाहरण 7. 1991 की नई औद्योगिक नीति के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के लिए आरक्षित उद्योगों की संख्या में क्या बदलाव आया?

› समझो कि 1956 की औद्योगिक नीति के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के लिए 17 उद्योग आरक्षित थे, मतलब सिर्फ सरकार ही इनमें काम कर सकती थी।

› 1991 की नई औद्योगिक नीति में इन आरक्षित उद्योगों की संख्या को 17 से घटाकर 8 कर दिया गया।

› बाद में, 2001 में, इसे और कम करके केवल 3 उद्योगों तक सीमित कर दिया गया। ये तीन उद्योग थे: आणविक ऊर्जा, अस्त्र-शस्त्र और रेलवे परिवहन।

› इसका मतलब है कि निजी क्षेत्र इन तीन को छोड़कर बाकी सभी उद्योगों में व्यापार कर सकता है, जिससे प्रतिस्पर्धा बढ़ी।

उत्तर – 1991 की नीति ने आरक्षित उद्योगों की संख्या 17 से घटाकर 8 कर दी, और फिर 2001 में इसे और कम करके 3 कर दिया गया। ये तीन थे आणविक ऊर्जा, अस्त्र-शस्त्र और रेलवे परिवहन।

उदाहरण 8. एक बहुराष्ट्रीय निगम की किन्हीं तीन मुख्य विशेषताओं की व्याख्या करें।

› पहला, विशाल पूँजीगत संसाधन: इन कंपनियों के पास बहुत सारा पैसा होता है, जिसे ये शेयर, बॉन्ड या बड़े-बड़े बैंकों से लोन लेकर इकट्ठा करती हैं।

› दूसरा, उन्नत तकनीकें: ये हमेशा नई और अच्छी तकनीक का इस्तेमाल करती हैं, जिससे इनके प्रोडक्ट की क्वालिटी अच्छी रहती है और दुनिया भर में इनकी पहचान बनती है।

› तीसरा, बाज़ार क्षेत्र का विस्तार: ये सिर्फ अपने देश में नहीं रुकतीं, बल्कि दुनिया के कई देशों में अपनी ब्रांच खोलकर अपना व्यापार फैलाती हैं, जिससे ये एक ग्लोबल ब्रांड बन जाती हैं।

उत्तर – भूमंडलीय उपक्रम की तीन मुख्य विशेषताएँ हैं: विशाल पूँजीगत संसाधन, उन्नत तकनीकें और बाज़ार क्षेत्र का विस्तार।

उदाहरण 9. एक बड़े शहर में, सरकार एक नया मेट्रो रेल प्रोजेक्ट शुरू करना चाहती है। सरकार के पास ज़मीन है, लेकिन इतनी ज़्यादा पूँजी और विशेषज्ञता नहीं है। एक प्राइवेट कंपनी के पास मेट्रो बनाने की आधुनिक तकनीक और प्रबंधन कौशल है, लेकिन ज़मीन नहीं। दोनों मिलकर कैसे इस प्रोजेक्ट को पूरा कर सकते हैं, PPP मॉडल का उपयोग करते हुए?

› पहला कदम: सरकार (सार्वजनिक भागीदार) प्रोजेक्ट के लिए आवश्यक ज़मीन उपलब्ध कराएगी और पर्यावरण संबंधी मंज़ूरी जैसी नियामक जिम्मेदारियाँ संभालेगी।

› दूसरा कदम: प्राइवेट कंपनी (निजी भागीदार) मेट्रो रेल के डिज़ाइन, निर्माण, तकनीकी स्थापना और बाद में उसके संचालन व रखरखाव की ज़िम्मेदारी लेगी।

› तीसरा कदम: दोनों पक्ष एक समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे जिसमें उनके कार्य, जोखिम, पूँजी निवेश का अनुपात, लाभ-हानि का बँटवारा और प्रोजेक्ट की समय-सीमा स्पष्ट रूप से लिखी होगी।

› चौथा कदम: सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि प्रोजेक्ट सामाजिक जिम्मेदारियों, जैसे स्थानीय लोगों को रोजगार और पर्यावरण संरक्षण का पालन करे। निजी कंपनी अपनी तकनीकी विशेषज्ञता और प्रबंधन कौशल का उपयोग करके प्रोजेक्ट को समय पर और लागत प्रभावी तरीके से पूरा करेगी।

उत्तर – इस प्रकार, सरकार और निजी कंपनी मिलकर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक पूरा कर सकते हैं, जहाँ सरकार ज़मीन और नियामक सहायता देती है, और निजी कंपनी अपनी तकनीकी और प्रबंधन दक्षता लाती है, जिससे शहर को एक आधुनिक परिवहन सुविधा मिलती है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे अक्सर 'मिश्रित अर्थव्यवस्था' या 'सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में अंतर' पर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं।

• इन तीनों स्वरूपों की विशेषताओं, लाभ और सीमाओं पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि परीक्षा में इनमें अंतर बताने वाले प्रश्न अक्सर आते हैं।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। इसकी विशेषताएँ, लाभ और सीमाएँ, तीनों को कम से कम तीन-तीन बिंदुओं में याद रखना। अक्सर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं।

• वैधानिक निगम की 'विशेषताएँ', 'लाभ' और 'सीमाएँ' बोर्ड परीक्षा में सीधे-सीधे प्रश्न के रूप में आ सकती हैं। उदाहरणों के साथ तैयारी करें।

• सरकारी कंपनी की परिभाषा (51% चुकता अंशपूँजी) और इसकी मुख्य विशेषताओं पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि ये अक्सर सीधे सवाल के रूप में पूछी जाती हैं।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर इसके 'उद्देश्यों' या 'भूमिकाओं' पर सीधे प्रश्न आते हैं। सभी पाँच बिंदुओं (मूलभूत ढाँचा, क्षेत्रीय संतुलन, बड़े पैमाने के लाभ, आर्थिक शक्ति का केंद्रीकरण, आयात प्रतिस्थापन) को याद करके उनके बारे में दो-दो लाइनें लिखने का अभ्यास करें।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर इस पर सीधा प्रश्न आता है, '1991 की औद्योगिक नीति के तहत सार्वजनिक क्षेत्र में किए गए सुधारों का वर्णन करें'। इसलिए इन चारों बिंदुओं को अच्छे से याद रखना और उन्हें विस्तार से समझाना सीखना।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसकी परिभाषा और कम से कम 4-5 विशेषताओं को अच्छे से समझकर याद कर लेना, क्योंकि अक्सर इनकी विशेषताओं पर सीधा प्रश्न आता है।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। PPP की परिभाषा, इसकी विशेषताएं और सार्वजनिक व निजी भागीदारों की भूमिकाओं को अच्छे से समझना और उदाहरणों के साथ लिखना सीखिए।

एक नज़र में रिवीज़न

› निजी (व्यक्ति), सार्वजनिक (सरकार), भूमंडलीय (अंतर्राष्ट्रीय) उपक्रम। भारत: मिश्रित अर्थव्यवस्था।

- सार्वजनिक उद्यमों के तीन स्वरूप: विभागीय, वैधानिक, सरकारी कंपनी।
- सबसे पुराना सरकारी स्वरूप; सीधे मंत्रालय का भाग; सरकारी कर्मचारी; लाभ: नियंत्रण; सीमा: लचीलापन कम।
- वैधानिक निगम = संसद के अधिनियम से स्थापित, लचीलापन, सरकारी हस्तक्षेप कम।
- सरकारी कंपनी = 51% सरकार का शेयर; कंपनी अधिनियम के तहत स्थापित।
- स्वतंत्रता-1991: सार्वजनिक क्षेत्र = मूलभूत ढाँचा, क्षेत्रीय संतुलन, आत्मनिर्भरता.
- 1991 नीति: आरक्षित उद्योग घटे, विनिवेश, बीमार इकाई नीति, MoU।
- भूमंडलीय उपक्रम = बहुराष्ट्रीय निगम; अनेक देशों में व्यापार; विशाल पूंजी, उन्नत तकनीकें, केंद्रीकृत नियंत्रण।
- PPP: सरकार + नजी कंपनी मलिकर बड़े प्रोजेक्ट्स, कार्य-जोखमि बँटवारा।